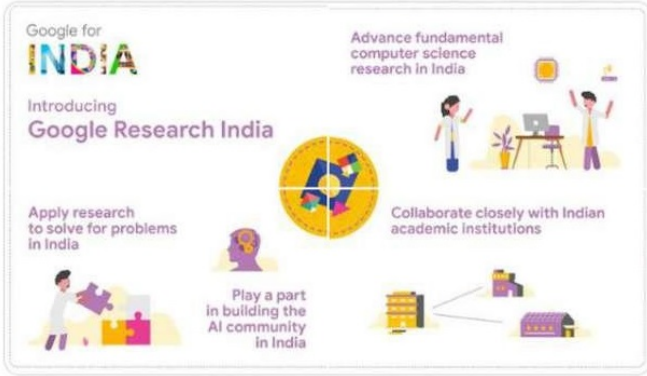


Rapid Fire करंट अफेयरस (23 September)

- 22 सितंबर को गैंडों की देखरेख, सुरक्षा और संरक्षण में जागरूकता फैलाने के लिये **वशिव गैंडा दविस** (World Rhino Day) मनाया जाता है। गैंडा स्तनपायी और पूरी तरह शाकाहारी प्राणी है। वशिव में गैंडे की पाँच प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से दो अफ्रीका में तथा तीन दक्षिण एशिया के देशों में मिलती हैं। एशियाई गैंडों में भारतीय गैंडा आकार में सबसे बड़ा होता है। भारतीय गैंडा पहले पाकिस्तान के सधि प्रांत से लेकर नेपाल, भूटान, भारत और म्याँमार में पाया जाता था लेकिन वर्तमान में यह भारत के असम में स्थिति **काजीरंगा नेशनल पार्क** में पाये जाते हैं। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के दुधवा नेशनल पार्क में कुछ गैंडे भी पाए जाते हैं। भारत में गैंडे वर्ष 1850 तक बंगाल और उत्तर प्रदेश के तराई इलाके में भी पाए जाते थे। वदिति हो कसिस्वप्रथम वर्ष 2010 में **वशिव वन्य जीव कोष-अफ्रीका** ने 22 सितंबर को 'वशिव गैंडा दविस' मनाने की शुरुआत की थी। भारत में गैंडों के संरक्षण तथा प्रजनन को बढ़ावा देने के लिये बिहार की राजधानी पटना में केंद्र सरकार के सहयोग से भारत का पहला **राष्ट्रीय गैंडा प्रजनन एवं संरक्षण केंद्र** बनाया गया है।
- हाल ही में DRDO का एक मानवरहति विमान कर्नाटक में दुरघटनाग्रस्त हो गया। इस मानवरहति विमान ने चतिरदुर्ग टेस्ट रेंज से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के बाद एयरक्राफ्ट के ससिस्टम में कुछ खराबी आ गई और करेश हो गया। TAPAS प्रायोगिक मानव रहति विमान उस समय परीक्षण उड़ान पर था। मानवरहति विमान एयरक्राफ्ट बना कसि पायलट के उड़ सकता है, इसका उपयोग नगिरानी और रक्षा से जुड़े कार्यों में कथिया जाता है, लेकिन अब सैन्य और व्यापारिक कार्यों में भी इसका इस्तेमाल होने लगा है। मौसम की जानकारी के लिये भी इसका उपयोग बड़े पैमाने पर कथिया जा रहा है। युद्धक क्षमता वाले स्वदेशी ड्रोन **रुस्तम-2** (तापस 201) का पहला सफल परीक्षण वर्ष 2016 में कथिया गया था। तापस 201 मध्य ऊँचाई पर लंबी अवधार्तिक उड़ने वाला का मानवरहति विमान है। यह 24 घंटे तक उड़ान भर सकता है तथा इस मानवरहति यान को अमेरिका के **प्रडिटर ड्रोन** की भाँती मानवरहति लड़ाकू यान के रूप में उपयोग में लाया जा सकता है।
- हाल ही में गूगल ने अपने **गूगल फॉर इंडिया** इवेंट में बंगलूरु में नया आर्टफिशियल इंटेलिजेंस (AI) सेंटर गूगल रसिर्च **इंडिया** 'खोलने का ऐलान' कथिया। इस नए प्रोजेक्ट का फोकस देश में **एडवांस कंप्यूटर साइंस रसिर्च** को बढ़ावा देने पर होगा। इसका उद्देश्य AI की सुवधियों को सभी तक पहुँचाना है और यह देश में आर्टफिशियल इंटेलिजेंस को आगे बढ़ाने के लिये विभिन्न उद्योगों, वशिष रूप से शैक्षणिक संस्थानों और शोधकर्त्ताओं के साथ काम करेगा।



संकट की स्थिति में लोगों की मदद करने के लिये गूगल की तकनीक काफी उन्नत है। भारत में अपने साझेदारों के साथ गूगल AI-संचालित बाढ़ के पूरवानुमानों में पहले ही से नविश कर रहा है। इससे पहले गूगल ने अपने **गूगल स्टेशन प्लेटफॉर्म** के तहत 4,000 स्थानों को जोड़ा है। साथ ही गूगल ने गुजरात, बिहार और महाराष्ट्र के गाँवों में BSNL के साथ मलिकर कनेक्टविटी की भी पेशकश की थी।

- इस वर्ष सबसे ज़्यादा पसंद की गई फिलिमों में से एक '**गली बॉय**' को बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिलिम कैटेगरी में **92वें एकेडमी अवॉर्ड्स** के लिये भारत की ऑफिशियल एंट्री के रूप में चुना गया है। रणवीर सहि और आलिया भट्ट अभिनीत इस फिलिम का नरिदेशन जोया अख्तर ने कथिया है। इस फिलिम का प्रीमियर **बरलनि फिलिम फेस्टिवल** में हुआ था और इसे मेलबर्न के **इंडियन फिलिम फेस्टिवल** में बेस्ट फिलिम का अवॉर्ड भी मिला था। पौड़ी गढ़वाल जलि के एक बुजुर्ग कसिान की मेहनत पर बनी डॉक्यूमेंटरी फिलिम मोती बाग ऑस्कर के डॉक्यूमेंटरी खंड के लिये नामति की गई है। डॉक्यूमेंटरी फिलिम 'मोती बाग' को केरल में आयोजति **अंतरराष्ट्रीय डॉक्यूमेंटरी फिलिम महोत्सव** में भी अवॉर्ड मलि चुका है। यह उत्तराखंड से पहली डॉक्यूमेंटरी फिलिम है जो ऑस्कर की रेस में पहुँची है। एकेडमी अवॉर्ड्स को ऑस्कर पुरस्कारों के नाम से जाना जाता है तथा फिलिम व्यवसाय से जुड़े सर्वश्रेष्ठ नरिदेशकों, कलाकारों, लेखक व तकनीशियनों को दथिया जाने वाला यह प्रतषिठति सालाना पुरस्कार है। 16 मई, 1929 को इसका पहला पुरस्कार समारोह आयोजति कथिया गया था।
- अमेरिका के जेम्स डायसन फाउंडेशन ने **नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डजिाइन, अहमदाबाद** की अश्वती सतीसन (Ashwathy Satheesan) को

जेम्स डायसन अवॉर्ड, 2019 से सम्मानित किया है। 22-वर्षीय अश्वती सतीसन ने पार्कसिंस रोग से पीड़ित लोगों के लिये पेन जैसा उपकरण **फ्लेओ (Fleo)** बनाया है, जो इस रोग पार्कसिंस पीड़ित लोगों को लखने और ड्राइंग करने में मदद करेगा। अश्वती ने कंपन प्रभावों को स्थिर करने और कम करने के लिये **जाइरोस्कोपिक सिद्धांतों** का उपयोग किया है, जिससे अधिक आत्मविश्वास और कुशल लेखन या ड्राइंग की सुविधा मिलती है। इस पेन में तांबे की रिंग रोटार के रूप में बैटरी के साथ मोटर से जुड़ी होती है। जेम्स डायसन अवार्ड्स इसमें 1 लाख 80 हजार से लेकर 27 लाख रुपये तक की राशि इनाम में दी जाती है। वदिति हो क इंजीनियरिंग, प्रोडक्ट डज़ाइनग और इंडस्ट्रियल डज़ाइनग की शक्ति हासिल कर रहे वदियार्थी या फरि इन वषियों में हाल ही में स्नातक शक्ति पूरी करने वाले वदियार्थी इस अवॉर्ड के लिये आवेदन कर सकते हैं। वर्ष 2004 से जेम्स डायसन पुरस्कारों की शुरुआत हुई।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-september-23>

